उपराष्ट्रपति, भारत

<u>संदेश</u>

मुझे भारत के रणनीतिक मामलों के सुविज्ञ व्यक्तियों में शुमार एक दिग्गज और भूत-पूर्व प्रतिष्ठित सिविल सेवक एवं सृजनशील लेखक श्री के. सुब्रह्मण्यम के दुखद निधन का समाचार सुनकर गहरा शोक हुआ है।

श्री सुब्रह्मण्यम हमारी सुरक्षा-नीति संबंधी सिद्धांत के प्रमुख रचनाकारों में से एक थे। रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान के संस्थापक निदेशक के रूप में, वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने नीति निर्माताओं, मीडिया और यहाँ तक कि आम नागरिकों में रणनीतिक विश्लेषण और चिंतन की प्रक्रिया को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित और प्रारम्भ किया। प्रथम राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के संयोजक के रूप में, उन्होंने हमारी परमाणु नीति का प्रारूप बनाने में सहायता की। कारगिल समीक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। उन्होंने नीति-निर्माताओं और नागरिकों को रणनीतिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने तथा उन्हें सुलझाने के लिए नीतिगत-विकल्पों को तैयार करने में सहायता की। समाचार पत्रों में उनके नियमित लेखों से आम लोगों के लिए जटिल विषय भी सरल बन जाते थे, जिसकी वजह से उन्हें काफी शिद्दत से याद किया जाएगा।

मैं तथा मेरी धर्मपत्नी शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों और बड़ी संख्या में उनके प्रशंसकों और मित्रों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से यह प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
2 फरवरी, 2011